मुझे पहचानें...

(ब्रिड्जिंग गतिविधि)

बच्चों की वर्तमान स्तर पहचानना शैक्षिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक है। इसके लिए यहाँ एक गतिविधि दी जा रही है, जिससे छात्रों का वर्तमान स्तर पहचान सकें और उनमें हिंदी के प्रति रुचि बढ़ा सकें।नना शैक्षिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक है। इसके लिए यहाँ एक गतिविधि दी जा रही है जिससे छात्रों का वर्तमान स्तर पहचान सकेंऔर उन में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ा सकें।

समय : 1 कालांश

गतिविधि

आप बच्चों से नीचे दी गई पहेलियाँ पूछें,

आसमान में मैं हूँ छाई,
हाथी हिरण जैसे रूपों में आई,
सबके मन को बहुत मैं भाई,
पहचानो मुझे, कौन हूँ छाई।
लक्षित उत्तर- बादल

नन्नु, मुन्नु, चुन्नु आए,
रंग-बिरंगे छाते लाए,
कहीं छप-छप कहीं टप-टप,
लगती कितनी अच्छी गप-शप।
लक्षित उत्तर- बारिश

चम-चम चमकती मैं हूँ आई,
गरजते बादल साथ ले आई,
बारिश की बूँदे पहनकर आई,
पहचाना, मैं कौन हूँ।
लक्षित उत्तर- बिजली

सन-सन मैं बहती आई,
पत्तों को झुलाती आई,
तन-मन को सहलाती आई,
ठंडी-ठंडी नाचती आई।
लक्षित उत्तर- हवा

- आप बच्चों के जवाब श्यामपट पर लिखें।
- पूछें,

  - ये सब किस मौसम की सूचना देती है?

    लक्षित उत्तर- बारिश का मौसम

- बारिश के मौसम को लेकर बच्चों का कोई अनुभव लिखने का निर्देस दें।
- दो-तीन बच्चों की प्रस्तुति।
- छात्रों की रचनाओं का आकलन करें।
- टी एम में छात्रों के नाम ग्रेड करके लिखें।

(A) अपने अनुभव को पूर्ण रूप से लिखा है।	(B) सिर्फ दो या तीन वाक्य लिखा है।	(C) लिखने का प्रयास किया है।
1. 2. 3.	1. 2. 3. 4.	1. 2.

- छात्रों के बुनियादी दल बनाएँ।
  (इस में विभिन्न स्तर के छात्र हो।)

इकाई 1

जीवन में महत्वपूर्ण वस्तुओं के होने के बावजूद भी इंसान अकेला नहीं रह सकता। एक दूसरे के बीच प्यार, समानुभूति जैसी भावनाओं का होना ज़रूरी होता है। हर एक के जीवन में अच्छी-बुरी यादें, असहनीय घटनाएँ, सुख-दुख के पल... सब आते-जाते रहते हैं, उससे वह अकेला नहीं गुज़र सकता। एक दूसरे से अपनी संवेदनाओं और भावनाओं को बांटना पड़ता है। जहाँ एक दूसरे के प्रति परवाह और प्यार की भावना होती है, वहाँ जाति, धर्म, लिंग, उम्र आदि किसी भी तरह के भेदभाव का दीवार नहीं होता। वे एक दूसरे की मदद खुशी से करते हैं। चाहे रिश्ता जो भी हो, माता-पिता, भाई, बहन, मित्र, पडोसी, सहपाठी, सहयात्री.... हर रिश्ते की अहमियत होती है। ये रिश्ते ही हमारे जीवन के आधार होते हैं। लेकिन आज भाग-दौड भरी ज़िंदगी में हम रिश्तों की अहमियत को भूलते जा रहे हैं। हमारे बच्चों के मन में ऐसी भावनाएँ जगाना ज़रूरी हो गया है। इन्हीं बातों को नज़र में रखते हुए पहली इकाई में प्रभातजी की कहानी, नरेश सक्सेना की कविता पर एक टिप्पणी और धर्मवीर भारती की कविता दी गई है। अतिरिक्त वाचन के लिए एक उपन्यास का अंश भी दिया गया है, जिससे भी लाभ उठा सकते हैं।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा/प्रोक्ति/ भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
चित्र ● प्यार रिशतों की कड़ी है।	● चित्र वाचन	● चित्र वाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।
कहानी ● जीवन में दोस्ती की अहमियत है। ● कहानी में छोटी-बड़ी घटनाएँ होती हैं। ● सिनेमा बनाने के लिए पटकथा की ज़रूरत होती है। ● संबंध सूचक परसर्ग का रूप संबद्ध शब्द के आधार पर होता है।	● कहानी का वाचन एंव विश्लेषण ● कहानी के प्रसंगों की पहचान ● पटकथा लेखन ● वाक्य - विश्लेषण ● टिप्पणी लेखन	● कहानी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है। ● कहानी की घटनाओं को चुनकर लिखता है। ● कहानी के आधार पर पटकथा लिखता है। ● संबंध सूचक परसर्ग को पहचानता है और परसर्गयुक्त वाक्यों को चुनकर लिखता है। ● अपनी दोस्ती पर टिप्पणी लिखता है।
कविता की टिप्पणी ● टिप्पणियाँ मूल-रचनाएँ पढ़ने की प्रेरणा देती है। ● कविता को बहु-आयामी दृष्टि से देखने में टिप्पणी सहायक है।	● कविता की टिप्पणी का वाचन एवं विश्लेषण। ● कविता का वाचन एवं विश्लेषण। ● आकलन सूची का निर्माण।	● टिप्पणी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है। ● कविता पढ़कर विश्लेषण करता है। ● कविता पर लिखी टिप्पणी की आकलन सूची तैयार करता है।

कविता ● कविता किसी आशय की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है। ● प्रत्येक चीज़/व्यक्ति का अपना महत्व है। ● कविता में बिंब-प्रतीकों के द्‌वारा आशयों की अभिव्यक्ति होती है।	● कविता का विश्लेषण। ● टिप्पणी लेखन। ● कविता के बिंब और प्रतीकों का विश्लेषण	● कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है। ● कविता पर टिप्पणी लिखता है। ● कविता के प्रतीकों को पहचानकर लिखता है।
उपन्यास का अंश ● जीवन में रिश्तों का अपना महत्व है।	● उपन्यास-अंश का वाचन। ● विचार लेखन।	● उपन्यास-अंश आशय ग्रहण करके पात्रों का विचार लेखता है।

बीरबहूटी
(कहानी)

अधिगम-गतिविधियाँ : 1

अधिगम उपलब्धियाँः

- चित्रवाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।
- कहानी पढकर आशय प्रस्तुत करता है।
- कहानी की घटनाएँ चुनकर लिखता है।
- कहानी के आधार पर पटकथा लिखता है।
- दोस्ती पर टिप्पणी लिखता है।
- परसर्ग युक्त वाक्यों को चुनकर लिखता है।

आशय/धारण

- जीवन में दोस्ती की अहमियत है।
- कहानी में छोटी-बड़ी घटनाएँ होती हैं।
- सिनेमा बनाने के लिए पटकथा की ज़रूरत होती है।

मूल्य/मनोभाव

- जीवन में मिलन और जुदाई दोनों को मानता है।
- दोस्ती का मूल्य पहचानकर प्यार का व्यवहार करता है।
- प्रकृति की प्रत्येक चीज़ की सुंदरता पहचानता है।

सामग्री :• **लघुफिल्म/फिल्म का अंश**

समय

गतिविधि-1

प्यार, दोस्ती, सहानुभूति आदि विषयों में किसी एक पर आधारित शॉर्ट फिल्म का प्रदर्शन

करें। (4-5 मिनट का)।

आप पूछें–

- फिल्म कैसी लगी?
- क्यों पसंद आया?
- ऐसा एक फिल्म बनाने के लिए कौन-कौन सी पूर्व तैयारियाँ की होंगी?

बच्चों के उत्तर सूचीबद्ध करें। अगर बच्चे 'पटकथा' नहीं कह पाए तो आप जोड़ें।

➔ अगर शॉर्ट फ़िल्म का प्रदर्शन संभव न हो तो यह प्रक्रिया चलाएँ-

- आप पूछें- क्या आपको फ़िल्म पसंद है, न?
- अपनी मन पसंद एक फ़िल्म का नाम बताएँ।
- यह फ़िल्म क्यों पसंद आई?
- ऐसी एक फ़िल्म बनाने के लिए कौन-कौन सी पूर्व तैयारियाँ की होंगी?
- छात्रों की प्रतिक्रियाओं को सूचीबद्ध करें।

आप कहें–

- दोस्तो, कल्पना करें, हम भी एक फिल्म तैयार करने जा रहे हैं। उसके लिए हमें पटकथा तैयार करनी पड़ेगी।
- किसपर हम पटकथा तैयार करेंगे?

बच्चे अपनी राय प्रकट करें।

आप कहें -

- बच्चो, हम क्यों अपनी पाठ्यपुस्तक से एक कहानी न लें? मुझे लगता है, इसकी पहली कहानी 'बीरबहूटी' इसके लायक है। आप ज़रा पढ़ें।

(बादल बहुत बरस लिए थे ....
.... पैन में स्याही भरते थे।) - (पन्ना 8)

वाचन-प्रक्रिया चलाएँ।

आप पूछें और छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें–

- इसके पात्र कौन-कौन हैं?
- यहाँ किस मौसम का चित्रण हुआ है? आपको कैसे पता चला?
- साहिल और बेला घर से जल्दी क्यों निकलते थे?

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

आप ये प्रश्न चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें/ मौखिक रूप से प्रस्तुत करें। इन प्रश्नों के आधार पर दल में चर्चा चलाने का निर्देश दें।

- यहाँ वातावरण का वर्णन कैसे किया है?
- यहाँ बीरबहूटियों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?
- बेला और साहिल बीर बहूटियों की खोज कैसे करते थे?
- ...

दलों को अपना निष्कर्ष प्रस्तुत करने का अवसर दें।

दलों के बीच चर्चा और शंका समाधान भी चलें।

आप कहानी के अंश का वाचन करें। (ध्यान दें, आपका वाचन छात्रों को आशय ग्रहण करने में सहायक हो। इसके लिए आप हाव-भाव, स्वराघात-बलाघात तथा उतार चढ़ाव के साथ वाचन करें।)

अनुबद्ध कार्यः

कहानी के पठित अंश से घटनाओं को चुनकर लिखें।

गतिविधि-2

दो तीन छात्रों को अनुबद्ध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर दें।

छात्रों को दल में परिमार्जन करने का अवसर दें।

किसी एक दल को प्रस्तुत करने का अवसर दें।

दूसरे दलों को, कुछ जोड़ने या छोड़ने की है तो उसका, अवसर दें।

दलों के प्रस्तुतीकरण के साथ आप श्यामपट पर घटनाओं को सूचीबद्‌ध करते रहें।

- भारी वर्षा हो चुकी है।
- साहिल और बेला स्कूल जा रहे हैं।
- साहिल और बेला रास्ते के खेत में बीरबहूटियों को खोजते हैं।
- राजस्थान के जयपुर के नज़दीक की एक गली से साहिल और बेला स्कूल जा रहे हैं।
- स्टेशनरी का दूकानवाला ड्रॉपर से पैन में सयाही भरता है।

दलों में संशोधन चलाएँ।

कहें-

चलें, देखते हैं आगे क्या होता है?

वाचनकार्य–

(पैन में स्याही ... नज़र नहीं मिला पाई।)

वैयक्तिक वाचन के बाद आप इन प्रश्नों को चार्ट पर/श्यामपट पर प्रस्तुत करें-

- ‘बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए’ –इसका क्या मतलब है?
- ‘बादल को देखकर घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए’ –दुकानदार ने ऐसा क्यों कहा होगा?
- बेला और साहिल की दोस्ती को दिखाने के लिए लेखक ने किन-किन बातों का जिक्र किया है?
- सुरेंदरजी माटसाब कैसे आदमी थे?

- ‘माटसाब चाहे मुझे पीट लेते, मगर साहिल के सामने नहीं’ –बेला ऐसा क्यों सोचती है?
- जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई। क्यों?

इनके आधार पर दल में चर्चा चलाने का निर्देश दें।

दलों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

छात्र कहने में असमर्थ हों, तो सहायक प्रश्न पूछकर उनकी मदद करें।

आप कहानी के अंश का वाचन करें।

अनुबद्‌ध कार्यः

पठित अंश की घटनाओं को सूचीबद्‌ध करें।

गतिविधि-3

चुनिंदे छात्रों को अनुबद्‌ध कार्य प्रस्तुत करने का अवसर दें।

दल में परिमार्जन करने का निर्देश दें।

दलों के बीच में हस्तांतरण करके संशोधन करने का निर्देश दें।

कहें,

देखें, आगे क्या हुआ होगा।

वाचनकार्य–

(दीपावली की छुट्‌टियों के बाद ... एक इंच का लंबा चोट का निशान था।)

छात्रों को वैयक्तिक वाचन करने का निर्देश दें।

दल में आशय का लेन-देन करने का अवसर दें।

दल में आशय ग्रहण करने के लिए आप कुछ प्रश्न चार्ट/श्यामपट पर लिखकर प्रस्तुत करें।

जैसे:

- साहिल बेला को खेलने से मना कर दिया। इससे साहिल का कौन-सा मनोभाव व्यक्त होता है?
- "इन बच्चों को अपने चारों ओर खेलते देखकर गांधीजी की मूर्ति ऐसी दिखाई पड़ती जैसे और समय से कुछ अधिक मुसकरा रही हो" - लेखक के इस कथन क्या मतलब है?
- कहानी के इस अंश में साहिल और बेला के आत्म-संबन्ध की गहराई दिखानेवाले अंश कौन-कौन से हैं?
- बेला की आँखों में आँसू आ रहा है। इसका क्या कारण है?
- बेला और साहिल के घरवाले दोनों की आगे की पढ़ाई के संबंध में क्या सोचते हैं?
- आज आखिरी बारी वे एक दूसरी की कोई चीज़ को छूकर देख रहे थे –ऐसा क्यों कहा गया है?
- यह बारिशों से पहले की बारिश का एक दिन था। - कहानी के इस प्रसंग में यह कथन कैसे सार्थक होता है?

इनके सहारे दलों में चर्चा करने का निर्देश दें।

बाद में प्रत्येक दल को प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अवसर दें।

दल आपस में शंका-समाधान भी करें।

किसी बात पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने में सभी दल असमर्थ हों, आप सहायक प्रश्न पूछकर आशय ग्रहण में मदद दें।

आप कहानी के अंश का वाचन करें।

अनुबद्ध कार्यः

कहानी के इस अंतिम अंश की घटनाओं को सूचीबद्ध करें।

पन्ना 12 का कार्य- '**मिलान करें**' करें।

गतिविधि-4

पूछें: बच्चो, 'बीरबहूटी' कहानी पढ़ने पर आपको अपनी किसी दोस्ती की याद आई?

दो-तीन बच्चों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

'अपनी दोस्ती की याद' विषय पर टिप्पणी लिखने का निर्देश छात्रों को दें।

छात्रों को वैयक्तिक लेखन करने का निर्देश दें।

चुनिंदे छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें। (दो-तीन छात्र, जो अलग-अलग स्तर के हों)

पूछें: बच्चो, अपनी दोस्ती पर लिखनेवाली टिप्पणी की क्या-क्या विशेषताएँ होगी?

छात्रों को प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

उल्लेखनीय बिंदुओं को आप श्यामपट पर लिखें-

- आत्मनिष्ठ भाषा
- विषय की समग्रता
- मार्मिक प्रस्तुतीकरण
- ....

छात्रों को इन बिंदुओं के आधार पर आपसी आकलन करने का निर्देश दें।

▸ छात्रों की वैयक्तिक उपज को पोर्टफॉलिओ में जोड़ें।

छात्रों की बैयक्ति रचनाएँ जोड़कर विशेषांक तैयार करने का निर्देश दें।

गतिविधि-5

आप कहें -

बच्चो, बीरबहूटी कहानी का वाचन आपने किया है। घटनाओं को सूचीबद्ध भी किया है। अब हमें इससे पटकथा तैयार करना है।

चर्चा चलाएँ, पूछें-

- पटकथा में घटनाओं का क्रम कैसे होना है? कहानी के क्रम में ही होना है कि किसी मार्मिक घटना से शुरू करना है?

आप चर्चा को ज़ारी रखें और उसके आधार पर घटनाओं के क्रम का पुनर्लेखन करने का निर्देश दें।

पहली दो-एक घटनाओं के आधार पर पटकथा का वैयक्तिक लेखन करने का निर्देश दें।

चुनिंदे (अलग-अलग स्तर के) छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।

चर्चा चलाएँ–

- पटकथा की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
- पटकथा में दृश्य का वर्णन किया है?
- समय का जिक्र है?
- पात्रों का उल्लेख है?
- संवाद की विशेषताएँ क्या हैं?
- ....
- ....

छात्रों की प्रतिक्रिया के आधार पर आकलन की बिंदुएँ तैयार करें-

- पटकथा में दृश्यों का वर्णन
- समय और स्थान का विवरण
- पात्रों के उम्र, वेष-भूषा, चाल-चलन आदि का विवरण
- स्वाभाविक और पात्रानुकूल संवाद

इन बिंदुओं के आधार पर अपनी रचना का आकलन करने का निर्देश दें।

(छात्रों को पटकथा के कुछ नमूने पढ़ने का अवसर देना अच्छा होगा।)

दल में चर्चा करके पूरी कहानी की पटकथा तैयार करने को कहें।

दलों को प्रस्तुक करने का मौका दिलाएँ।

आप अपनी उपज प्रस्तुत करें।

संशोधन-कार्य चलाएँ।

पन्ना 14 की प्रक्रिया करने का निर्देश दें। (परसर्ग)

कहें–

बच्चो, प्यार से संबधित एक उपन्यास है, मन्नुभंडारी का 'आप का बंटी'। पढ़ें, इस उपन्यास का अंश, पन्ना 21 में।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था
(टिप्पणी)

अधिगम-गतिविधियाँ : 2

अधिगम उपलब्धियाँ:

- टिप्पणी पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता पढ़कर विश्लेषण करता है।
- कविता पर लिखी टिप्पणी की आकलन सूची तैयार करता है।

आशय/धारण

- टिप्पणियाँ मूल-रचनाएँ पढ़ने की प्रेरणा देती है।
- कविता को बहु-आयामी दृष्टि से देखने में टिप्पणी सहायक है।

मूल्य/मनोभाव

- दीन-दुखी और पीड़ितों के प्रति समानुभूति प्रकट करता है।

सामग्री :

- चार्ट/स्लैड

गतिविधि-1

- आप स्लैड/चार्ट पर यह कवितांश प्रस्तुत करें

ओ चंचल नयन!
एक दिन पलकों के फाटक बंद करके देख,
शायद तू समझ पाए
ज्योति विहीन जीवनों की व्यथा
ओ बावरे श्रवण!
एक दिन के लिए कर्ण पटलों को बंद करके
देख,
शायद तू अनुभव कर सके उनकी व्यथा
जो सुन नहीं सकते एक शब्द भी प्यार भरा।

केशवेंद्र आई.ए.एस

वाचन करने का अवसर दें।

कविता पर चर्चा करें।

- यहाँ 'ज्योतिविहीन जीवन' से क्या तात्पर्य है?
- बहरे को क्या कोई शब्द सुना दे सकते?
- जीवन भर ऐसी दशा में गुज़रनेवालों के बारे में कभी सोचा है?
- ऐसे लोगों के सामने आँखें तथा कान बंद करनेवालों के प्रति आपकी राय क्या है?
- औरों की व्यथा दूर करने केलिए आँखों तथा कानों को कैसे रखना चाहिए?

- कविता पढ़ते समय मनमें क्या कोई चित्र उभर आता है?
- 'आँखें बंद करनेवाला' और 'कान बंद करनेवाला' किसका प्रतीक है?
- तो 'प्यार भरा शब्द सुनना' का तात्पर्य क्या है? (वांचित उत्तर - प्यार भरा व्यवहार)

निष्कर्ष

कविता को विभिन्न पहलुओं से समग्र रूप से वाचन और विश्लेषण करने से ही गहरा और विस्तृत आशय मिलता है।

कहें-

बच्चो, अब हम पढ़ें, विनोदकुमार शुक्ल की कविता पर नरेश सकसेना की एक टिप्पणी। पाठ पुस्तक के पन्ना 15 की टिपेपणी ज़रा पढ़िए।

छात्रों को पूरी टिप्पणी के वाचन करने का अवसर दें।

आशय-ग्रहण में बाधा डालनेवाले अंशों को रेखाँकित करने का निर्देश दें।

टिप्पणी के आशय पर दलों में चर्चा चलाने को कहें।

दलों में और दलों के बीच में शंका समाधान करने का मौका दिलाएँ।

आप अर्थ-ग्रहण/आशय-ग्रहण के कुछ प्रश्न चार्ट पर लिखकर प्रस्तुत करें-

- 'जानने की हमारी जानी-पहचानी रूढ़ी को तोड़ देते हैं'- जानी-पहचानी रूढ़ी का क्या मतलब है?
- विनोदकुमार शुक्ल की कविता का विश्लेषण करते हुए नरेश सकसेना ने 'जानना' की कैसी व्याख्या दी है?
- 'दो मनुष्यों के बीच जानकारियाँ ज़रूरियाँ ज़रूरी नहीं है।' फिर किस की ज़रूरत है?
- कविता के शिल्प पक्ष की किन-किन विशेषताओं पर टिप्पणी में चर्चा की है?
- ....

इन प्रश्नों के आधार पर दलों में चर्चा चलाने का निर्देश दें।

चर्चा के बाद दलों को प्रतिक्रया व्यक्त करने का अवसर दें।

आप टिप्पणी का वाचन करें, जिससे आशय ग्रहण में अधिक सहायता मिले।

गतिविधि-2

आप पूरी कक्षा में प्रश्न करें–

> बच्चो, 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' शीर्षकवाली यह टिप्पणी एक विश्लेषणात्मक अध्ययन है। इसे पढ़ने पर आपको किसकी प्रेरणा मिली?

छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

> दोस्तो, अब हम विनोदकुमार शुक्ल की 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' नामक कविता भी पढ़ें। (पन्ना 15)

वाचन प्रक्रिया।

आशय समझाने के लिए आप ये प्रश्न भी करें।

- 'व्यक्ति को में नहीं जानता था, हताशा को जानता था' इस कथन से कवि का कौन-सा मनोभाव व्यक्त होता है?
- 'यदि कविता पाठ बीच में रोक दिया जाएं तो सुननेवाले खुद वाक्य पूरा कर देंगे' - लेखक के इस निरीक्षण पर आपकी राय क्या है?

कविता के भाव-पक्ष और शिल्प पक्ष पर नरेश सक्सेना के निरीक्षणों का समर्थन करनेवाली पंक्तियाँ कौन-कौन सी हैं? दल में चर्चा चलाने का निर्देश दें।

आवश्यक है तो, आप चर्चा सूची दें-

- सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं कविता का मर्म है।
- जानना का मतलब
- कविता का शिल्प सौंदर्य
- 'जानना' शब्द रूढ़ीग्रस्त अर्थ को बदल देती

संक्षिप्तीकरण

> कविता का बहुआयामी वाचन से उसका आंतरिक सौंदर्य का आस्वादन कर सकते हैं। कविता आस्वाद्य बनने में उसका बाह्य सौंदर्य यानी शिल्प पक्ष का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

आप कविता का वाचन करें।

गतिविधि-3

कहें–

बच्चो, हमने यहाँ विनोद कुमार शुक्ल की कविता और उसपर लिखी गयी नरेश सकसेना की टिप्पणी दोनों पढ़ी है। कविता पर टिप्पणी करते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए?

छात्रों को स्वतंत्र प्रतिक्रिया करने का अवसर दें।

वाँचित उत्तर मिलने केलिए आवश्यक है तो यह प्रश्न करें-

- कवि की सूचना टिप्पणी में कहीं मिला था?
- कविता की किन-किन पहुलुओं की चर्चा लेखक ने की है?
- कविता के किन-किन बातों का विश्लेषण किया है?
- तथ्यों के समर्थन केलिए क्या किया है?
- इसका शीर्षक और आशय के संबंध पर चर्चा हुई है?

प्रत्येक प्रश्न साथ छात्रों को प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अवसर दें।

मुख्य बंदुओं को आप चार्ट/श्यामपट पर सूचीबद्ध करें।

जैसे-

- भूमिका में कवि का परिचय हो।
- कविता के आशय, भाषा, रूप-रचना (विशेष प्रयोग, अनुप्रास, गीतात्मकता) आदि की समीक्षा हो।
- तथ्यों के समर्थन के लिए पंक्तियों का उल्लेख हो।
- शीर्षक की सार्थकता का जिक्र हो।
- ....

टूटा पहिया
(कविता)

अधिगम-गतिविधियाँ : 3

अधिगम उपलब्धियाँ:

- कविता पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- कविता पर टिप्पणी लिखता है।
- कविता के प्रतीकों को पहचानकर लिखता है।

आशय/धारण

- कविता किसी आशय की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है।
- प्रत्येक चीज़/व्यक्ति का अपना महत्व है।
- कविता में बिंब-प्रतीकों के द्वारा आशयों की अभिव्यक्ति होती है।

मूल्य और मनोभाव

- सभी से उचित व्यवहार करता है।

- असत्य के विरुद्ध सत्य के पक्ष पर अटल रहता है।

सामग्रीः

समयः

गतिविधि-1

आप कहें–

‘हमने हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था’ कविता और उसपर लिखी टिप्पणी पर चर्चा की हैं। अब हम धर्मवीर भारती की कविता ‘टूटा पहिया’ का वाचन करेंगे। देखें, पन्ना 18.

वाचन प्रक्रिया। (‘टूटा पहिया’ कविता का पूरा भाग)

दल की चर्चा को सार्थक बनाने के लिए आप कुछ प्रश्न दें-

जैसे:

- यह कविता कौन-सा पौराणिक प्रसंग की याद दिलाती है?
- ‘अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी...’ किसके बारे में यह कहा गया है?
- ‘अकेली निहत्थी आवाज़’ किसका विशेषण है?
- कविता की समकालीनता पर प्रकाश डालनेवाली पंक्तियाँ कौन-सी हैं?

दलों के बीच में कविता के आशय पर चर्चा चलाने का अवसर दें।

पूरी कक्षा में आप पूछें-

- “इतिहासों की सामूहिक गति

सहसा झूठ जाने पर क्या जाने
सच्चाई टूटे हुए पहियों का आश्रय ले।”
– इन पक्तियों से कवि क्या बताना चाहते है?

- इस कविता के प्रतीकात्मक शब्द कौन-कौन से हैं?

छात्रों की प्रतिक्रिया को आप सूचीबद्ध करें।

- मैं/टूटा पहिया
- अभिमन्यु
- महारथी
- ....

- टूटा पहिया किसका प्रतीक है?
  (तुच्छ समझने वालों का, मन का, लघु मानव का,.........., ..)
- उनसे क्या कोई उपकार नहीं मिलते?
- अभिमन्यु किसका प्रतीक है?
- महारथी किसका प्रतीक है?

अनुबद्ध कार्यः

पन्ना 20 की पहली प्रक्रिया करें।

गतिविधि-2

अनुबद्ध कार्य का प्रस्तुतीकरण चलाएँ।
आप कहें-

बच्चो, हमने ‘टूटा पहिया’ कविता पढ़ी। ‘हताशा से एक व्यक्ति बैठा था’ नामक

कविता और उसपर लिखी टिप्पणी भी पढ़ी है। अब लिखें, टूटा पहिया कविता पर एक विश्लेषणात्मक टिप्पणी।

छात्रों को वैयक्तिक लेखन करने का निर्देश दें।

(वैयक्तिक रचना को पॉर्ट-फोलिओ में जोड़ें)

चुनिंदे छात्रों को प्रस्तुत करने का अवसर दें।

दल में परिमार्जन करने का अवसर दें।

दलों की उपजों का प्रस्तुतीकरण चलाएँ।

आप 'अपनी प्रस्तुति' पेश करें।

संशोधन की प्रक्रिया चलाएँ।

टूटा पहिया

यह रचना भारती जी के कविता संग्रह 'सात गीत वर्ष' से चुनी गई है। टूटा पहिया लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है, जिसे बेकार समझकर फेंक दिया गया है। कवि उसकी संभावनाओं को पहचानता है और उसकी क्षमताओं का मूल्यांकन करता है। यह एक प्रतीकात्मक रचना है। इस प्रतीक को कवि ने महाभारत के कथानक से लिया है। अभिमन्यु ने चक्रव्यूह में अकेले ही प्रवेश किया। कौरव सेना के महारथियों ने उसे घेर कर उसके सब शस्त्रास्त्र नष्ट कर डाले। उसने रथ के टूटे पहिए को अस्त्र बनाकर शत्रुओं का सामना किया। कवि ने इसी घटना के आधार पर यह प्रतीक ग्रहण किया है।

धर्मवीर भारतीजी का कहना है कि, टूटा हुआ पहिया भी संदर्भ आने पर उपयोगी हो सकता है। इसलिए उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। महाभारत युद्ध में कई वीर योद्धा अधर्म के पक्ष में लड़ने केलिए बाध्य हो गए थे। अर्जुन के वीर पुत्र अभिमन्यु ने अधर्म के पक्ष में लड़नेवाले योद्धाओं को चुनौती देता हुआ चक्रव्यूह में प्रवेश किया। बड़े-बड़े महारथियों ने अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी निहत्थे, असहाय बालक अभिमन्यु की आवाज़ को कुचल देना चाहा। बालक अभिमन्यु ने उन महारथियों की मुकाबला करने केलिए रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया। महाभारत के इस प्रसंग की याद दिलाते हुए कवि कहते हैं कि उस प्रकार की अधार्मिक घटना आज भी संभव है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो

जाए तो सत्य का पक्ष टूटे हुए पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो सकता है। अतः कवि टूटे हुए पहिए को तुच्छ समझकर न फेंकने का आह्वान करते हैं। तुच्छ सी लगनेवाली वस्तु भी सान्त्वना देने में समर्थ हो सकती है।

धर्मवीर भारती 'नई कविता' के सशक्त कवि हैं। लघु मानव की प्रतिष्ठा नयी कविता की एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति है। नई कविता में लघु मानव की चर्चा बहुत मिलती है। यहाँ लघु मानव का तात्पर्य उपेक्षित सामान्य मानव से है। धर्मवीर की प्रस्तुत कविता में में भी टूटा पहिया इस उपेक्षित सामान्य मनुष्य का प्रतीक है। उसकी प्रतिष्ठा केलिए कवि ने पौराणिक मिथक का आश्रय लिया है। इस मिथकीय संकल्पना ने कविता को और रोचक बना दिया है।

इकाई 2

फिल्म निर्माण एक लंबी एंव संकीर्ण प्रक्रिया है। उसमें लिखना, फिल्माना और फिल्माए गए दृश्यों को जोड़ना आदि आते हैं। फिल्म निर्माण प्रक्रिया में कई लोगों की भूमिका होती हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने केलिए बरसों तक का समय लग सकता है।

एक फिल्म पूरा करते करते निदेशक और साथियों को कई झंझटों का सामना करना पडता है। सत्यजीत राय के 'ऊँट बनाम रेलगाडी' इस प्रकार के झंझटों का वर्णन है। विश्व सिनेमा के महान कलाकार है चार्ली चैप्लीन। 'सबसे बड़ा शो मान' चार्ली चैप्लीन की तरकी की पहली सीढ़ी का चित्रण हुआ है। इसके अलावा अतरिक्त वाचन केलिए हिन्दी फिल्म 'ब्लू अंबर्ला' का गीत 'नीली आसमानी छतरी' भी है।

इकाई रूपरेखा

आशय/धारणा/प्रोक्ति/भाषा तत्व	शिक्षण अधिगम गतिविधि	अधिगम उपलब्धि
चित्र ● फिल्म निर्माण के पीछे कई लोगों की मेहनत हैं।	● चित्र वाचन	● चित्रवाचन करके आशय प्रस्तुत करता है।
संस्मरण ● फिल्म निर्माण एक लंबी प्रक्रिया है। ● फिल्म निर्माण के कई सोपान है। ● फिल्म के पीछे असंख्य लोगों के परिश्रम हैं। ● अनुभवों को संवेदनात्मक ढंग से लिखकर प्रस्तुत कर सकता है। ● क्रिया के भविष्यत कालीन रूप से आने वाले समय के कार्य का बोध होता है। ● किसी कार्य करना की विवशता का बोध 'पड़' सहायक क्रिया से होता है।	● संस्मरण का वाचन। ● वार्तालाप की तैयारी। ● अनुभव लेखन। ● भविष्यत काल के वाक्यों का चयन। ● विवशता बोधक सहायक क्रियायुक्त वाक्यों का चयन।	● संस्मरण का वाचन करता है। ● अपना अनुभव लिखता है। ● वार्तालाप लिखता है। ● भविष्यतकाल के वाक्यों की विशेषता पहचानता है और चुनकर लिखता है। ● 'पड़' विवशता बोधक सहायक क्रिया पहचानकर लिखता है।
जीवनी ● कुछ घटनाएँ ज़िंदगी को नया मोड़ देती हैं। ● अवसरों से सही फायदा उठाना है। ● किसी घटना को वस्तुनिष्ठता और अपनी दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत करना रपट है।	● रपट की तैयारी। ● 'लग' सहायक क्रिया के बारे में चर्चा।	● किसी घटना पर रपट तैयार करता है। ● 'लग' सहायक क्रिया का प्रयोग समझता है ऐसे वाक्यों को चुनकर लिखता है।
फिल्मी गीत ● फिल्मी गीत फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है।	● गीत का वाचन। ● गीत की प्रस्तुति। ● दृश्याभास। ● फिल्म उत्सव।	● गीत गाता है। ● गीत का दृश्याभास करता है।

अधिगम-गतिविधियाँ : 1

अधिगम उपलब्धियाँः

- चित्रवाचन करता है और आशय प्रस्तुत करता है।
- जीवनी का अंश पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- किसी घटना पर रपट तैयार करता है।
- 'लग' सहायक क्रिया का प्रयोग समझता है और ऐसे वाक्यों को चुनकर लिखता है।
- संस्मरण पढ़कर आशय प्रस्तुत करता है।
- अपना किसी अनुभव लिखकर प्रस्तुत करता है।
- भविष्यत काल के वाक्यों की विशेषता पहचानता है और चुनकर लिखता है।
- डायरी लिखता है।

आशय/धारण

- फिल्म निर्माण एक लंबी व संकीर्ण प्रक्रिया है।
- फिल्म निर्माण के कई सोपान हैं।
- इसमें बहुतेरों की भागीदारी होती है।
- फिल्म निर्माण के दौरान कई झंझटों का सामना करना पड़ता है।
- फिल्म के पीछे असंख्य लोगों का परिश्रम है।
- कठिनाइयों की कसौटियों में कसकर असली महान जन्म लेता है।
- चाप्लिन की हँसी के पीछे रुलाई का कड़वा सच छिपा है।
- फिल्मी गीत फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- कथागति के नियंत्रण में फिल्मी गीत का विशेष महत्व है।

मूल्य और मनोभाव

- अथक परिश्रम जीत की पहली कडी है।
- विचारों का उचित आदान-प्रदान कार्यों को सुचारू बनाता है।
- प्रदेश विशेष दृष्टिकोण में परिवर्तन लाता है।

सामग्रीः

समयः

गतिविधि-1

आप कहें,

हमने बीर बहूटी कहानी के आधार पर पटकथा तैयार की है।

पूछें,

- पटकथा से फिल्म बनाने के लिए किन-किन सोपानों से गुज़रना चाहिए?
- इनमें कौन-कौन भाग लेते हैं?

  चर्चा

कहें,

सत्यजीत राय महान फिल्म निदेशकों में एक है।

चलो, देखते हैं, फिल्मी शूटिंग के बारे में उन्होंने क्या-क्या बताया है?

वाचन

पन्ना 28 के बक्से में दिए अंश के वाचन करने का निर्देश दें।

आप पूछें,

- फिल्म बनाने के काम के कितने भाग हैं?
- लिखना, फिल्माना, दृश्यों को जोड़ना आदि से क्या मतलब है?
- 'शूटिंग का स्टूडियो के बाहर होना बड़े झमेले का काम होता है।' सत्यजीत राय एसा क्यों कहता होगा?

कहें,

हम देखते हैं कि राय ऐसा क्यों कहता है?

वाचन

'सोनार केल्ला...............रवाना होना पड़ता है।"

- गांगुली और जटायु का क्या सपना था?
- 'ऊँट को सामने देखते ही उनका रूह काँप गई।' इससे क्या मतलब है?

दल में आशयों के आदान-प्रदान का अवसर दें।

- फेलू, तोपसे, और लालमोहन को ऊँट की सवारी करने का अवसर कैसे मिला?
- जटायु तो नाम भर केलिए ही जटायु है, ऐसा क्यों कहा गया?

- यहाँ ऊँट के रूप का चित्रण कैसे किया है?
- दूर से रेलगाडी को आते देख तोपसे ने उसे क्यों रुकवाना चाहा?

दलों के बीच चर्चा करने का मौका दें।

आप पूछे -

- 'जटायू तो नाम भर के लिए जटायु है।' इससे तात्पर्य क्या है?

बच्चों को कहानी सुनाने का अवसर दें।

> जटायू रामायण का एक एक प्रसिद्ध पात्र है। वह एक साहसी पक्षी है। जब रावण सीता हरण करके लंका ले जा रहा था तो जटायू ने सीता को रावण से छुड़ाने का प्रयत्न किया था।

- मज़बूरत उन्हें रामदेवरा केलिए ऊँटों से ही रवाना होना पड़ता है।'
  यहाँ क्या-क्या मज़बूरियाँ थीं?

अनुबद्ध कार्य

यह कहानी फिल्माने केलिए क्या-क्या तैयारियों की ज़रूरत हैं? लिखें।

गतिविधि-2

कुछ छात्रों को पिछली कक्षा में दिए गए अनुबद्ध कार्य की प्रस्तुति का अवसर दें।

आप कहें,

चलो, देखें सत्यजीत राय ने क्या-क्या तैयारियाँ की हैं?

वाचन

ऊँट का अध्याय .... शूटिंग होनी थी।

बच्चों को पाठ भाग का वाचन करने का निर्देश दें।

आप पूछे -

- जो स्थान शूटिंग केलिए चुना गया था, वह क्यों उचित था?
- ऊँटों को जिस निगाह से हम लोग देखते हैं राजस्थान के लोग उस निगाह से बिलकुल नहीं देखते हैं। क्यों?
- रेलवे अधिकारियों से बात करके वे ट्रेन को आगे ले जाना क्यों चाहते थे?
- ....
- ....

आप चर्चा चलाएँ

गतिविधि-3

पूछें,

आगे क्या-क्या हुआ होगा?

देखें,

आप बच्चों को पढ़ने का निर्देश दें -

"हमने शूटिंग का .... की ओर दौड़ाया जाएगा।"

आप पूछें -

- अभिशाप हमारेलिए वरदान हो गाया - ऐसा क्यों कहा गया है?

दलों में वाचन का अवसर दें।

आप प्रत्येक दल में पूछें,

- आसमान को देखकर लगा कि कल की गड़बड़ी एक बार फिर वरदान साबित हुई। क्यों?
-

आप पूछें,

- यहाँ के शूटिंग में कौन-कौन से अभिशाप ने वरदान का रूप लिया था?
- छुक-छुक की आवाज़ सुनकर सभी ने एकसाथ राहत की सांस ली। - क्यों?
- ....

गतिविधि-4

पूछें,

क्या अब शूटिंग हो पाएगी?

पढ़ने का निर्देश दें,

"ड्राईवर को हमने.....यह एख औऱ ही अध्याय है।"

पूछें,

- स्टुडियो के बाहर की शूटिंग में अपेक्षित कौन-सी बात पर यहाँ इशारा किया गया है?
- " कैमरा चालू करने के लिए "स्टार्ट" बोलना ही वाला था कि जुबान अटक गई।" ऐसा क्यों हुआ?
- रेलगाड़ी से धुआँ क्यों नहीं निकल रहा था?
- "सवारों को दम निकल जाने का अभिनय नहीं करना पड़ा।"
  ऐसा क्यों कहा है?

गतिविधि-5

अनुभव पर टिप्पणी

आप पन्ना 34 में दिए पाठभाग के अंश पढ़ने का अवसर दें।

पूछें -

- ज़िंदगी में कभी-कभी भूल होती हैं, क्या आप ऐसा कोई अनुभव बता सकते हैं?
  चार-पाँच बच्चों को बताने का अवसर दें।
  अवश्यक है तो अपना एक अनुभव प्रस्तुत करें।

ऐसा अनुभव लिखने को कहें।
आप की किसी भूल आप बहुत परेशान हुए है?
लिखे ऐसा एक अनुभव

- बच्चों को लिखने का निर्देश दें।
- चार-पाँच बच्चों से प्रस्तुत करवाएँ।
  आपसी संशोधन चलाएँ।

गतिविधि-6

वार्तालाप लेखन

पन्ना 34 का दूसरा कार्य पर ध्यान खींचें,

पढ़ने का निर्देश दें।

आप पूछें,

- लेखक ने रेलवे अधिकारी से क्या-क्या बताई होंगी?
- रेलवे अधिकारी ने क्या-क्या जवाबें दी होंगी?

वार्तालाप लिखने का निर्देश दें।

दलों में परिमार्जन करने का अवसर दें।

संशोधन कार्य चलाएँ।

गतिविधि-7

संभाव्य भविष्यत काल का परिचय

पन्ना 34 के वाक्यों को पढ़ने का निर्देश दें।

रेखांकित शब्दों पर ध्यान देने का निर्देश दें।

पूछें,

रेखांकित शब्द क्रिया के किस समय की सूचना देती है?

चर्चा

क्रिया के रूप में बदलाव क्यों आते हैं?

चर्चा

ऐसे अन्य वाक्यों को लिखने का निर्देश दें।

'पड़' सहायक क्रिया का परिचय

पन्ना 35 के वाक्यों को पढ़ने का निर्देश दें।

पूछें,

- 'रुके रहना', 'रवाना होना' आदि क्रियाओं के साथ 'पड़ना' शब्द जोड़ने से वाक्य के अर्थ में क्या परिवर्तन आए है?

    चर्चा

- 'पड़' की विशेषताएँ क्या-क्या है?

    चर्चा

इस प्रकार के वाक्य चुनकर लिखने का निर्देश दें।

चार्ली चैप्लिन

अधिगम-गतिविधियाँ : 2

प्रिय अध्यापक बंधुओ,

सर चार्ल्स स्पेनसर चैप्लिन एक अंग्रेज़ी हास्य अभिनेता और फिल्म निर्देशक थे। वे मूक फिल्म युग के सबसे रचनात्मक और प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक थे। जिन्होंने अपनी फिल्मों में अभिनय, निर्देशन, पटकथा, निर्माण तथा संगीत दिया। एक शिशु कलाकार से लेकर 88 वर्ष की आयु तक मनोरंजन के कार्य में उनके जीवन के 75 वर्ष बीते। उनके माता पिता अलग हो गए थे और चार्ली अपनी माँ के साथ रहता था।

एक कंठनाली की बुरी हालत ने चार्ली की माँ के गायन कैरियर का अंत कर दिया। हैन्ना का पहला संकट 1894 में आया जब वह अल्डरशॉट के एक थिएटर में प्रदर्शन कर रही थी। वहीं कला के क्षेत्र में चार्ली की सफर शुरु हुई थी। इसी घटना पर आधारित चार्ली चैप्लिन की जीवनी का एक अंश यहाँ दिया गया है।

गतिविधि-1

आप कहें,

बच्चो, हमने देखा कि फिल्म कैसे बनती है?

अब हम एक छोटा सा फिल्म देखेंगे।

आप चैप्लिन के फिल्म का एक अंश दिखाएँ।

चार्ली चैप्लिन की कई फिल्में आज उपलब्ध हैं। दि सर्कस, दि मॉडेन टाईमस, दि ग्रेट टिटेक्टर आदि उनके कुछ फिल्में है। उनमें से कोई एक फिल्म आप दिखाएँ।

चर्चा चलाएँ।

पूछें,

- फिल्म आपको कैसी लगी?
- यह किसकी फिल्म है?

- इस फिल्म का विषय क्या हैं?
- संवाद नहीं होते हुए भी हम इसका आस्वादन कर सके, आपके अनुसार फिल्म की कौन-कौन सी विशेषताएँ इसके लिए मददगार बनीं?
- क्या आप जानते हैं कि इस फिल्म में चैप्लिन ने कौन-कौन से दायित्व निभाए?

चर्चा

बच्चो,

क्या आप को पता है, चैप्लिन का कैरियर कहाँ और कैसे शुरु हुआ?

देखते हैं,

पढ़िए 'सबसे बड़ा शो मान'

(गाते गाते अचानक .... गाना सजने लगा)

बच्चों को पढ़ने का अवसर दें।

पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दे।

आप पूछें,

- ‘गाते-गाते माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में तबदील हो गई’ इसके क्या कारण हो सकते हैं?

बच्चों को कहने का अवसर दें।

-यहाँ चार्ली की माँ का गला खराब हो गया था।

पूछें,

- चार्ली को माँ सदा अपने साथ क्यों ले जाती होगी?

चर्चा

-चार्ली के माँ-बाप भी अलग हुए थे।
माँ चार्ली को अकेले घर बिठा नहीं सकती थी।

आप बच्चों को दल में वाचन करने का निर्देश दें।

दल वाचन में छोटे प्रश्न पूछकर उनकी मदद करें।

जैसे कि,

- माँ को स्टेज क्यों छोड़ना पड़ा?
- स्टेज पर चार्ली ने क्या किया?

पूरी कक्षा में आप पूछें,

- “इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया।” यहाँ लेखक ने ‘अभद्र शोर’ शब्द का प्रयोग क्यों किया होगा?
- इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया। उस समय माँ की हालत कैसी होगी?
- पाँच साल का चार्ली स्टेज पर अकेला था। उस वक्त चार्ली की दशा कैसी होगी?

अनुबद्ध कार्य

माँ को स्टेज से जाना पड़ा और चार्ली को आना पड़ा दोनों मज़बूर थे। दोनों का विश्लेषण करके टिप्पणी लिखें।

पाठभाग से कारण पहचानकर 'इसलिए' का प्रयोग करके नमूने के अनुसार वाक्य बनाएँ।

- माँ गा नहीं पाई।
  गाते-गाते माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में बदल गई इसलिए माँ गा नहीं पाई।

1. लोग चिल्लाने लगे।
2. मानेजर ने चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद्द की।
3. माँ डर गई।
4. चार्ली गाने लगा।

गतिविधि-2

आप पूछें,

क्या चार्ली पूरा गाना गा पाएगा?

क्या जनता उसे स्वीकार करेगी?

चलो आगे देखते हैं।

बच्चों को पढ़ने का निर्देश दें।

(गाना अभी आधा ही .... उसने जन्म ले लिया था।)

बच्चों को पढ़ने के लिए पर्याप्त समय दें।

वाचन के बाद आप पूछें,

- क्या चार्ली को जनता ने स्वीकार किया?
- चार्ली की कौन-सी बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया?
- गाना सुनकर लोगों ने क्या किया?
- चार्ली मानेजर के पीछे क्यों चला गया था?
- अंत में दर्शकों ने तालियाँ बजाकर माँ का क्यों स्वागत किया?

आप पूरी कक्षा में पूछें,

- 'इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।' क्यों?
- 'अंत में माँ जब उसे लेने आई तो दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाई।' लोगों ने ऐसा क्यों किया होगा?
- 'उसने जन्म ले लिया था' इससे क्या मतलब है?

चर्चा

अनुबद्ध कार्य

'चार्ली चैप्लिन कालजयी कलाकार' विषय पर टिप्पणी तैयार करें।

गतिविधि-3

रपट लेखन

आप पूछें,

पन्ना 38 लेने का निर्देश दें।

बच्चो, अगर यह घटना अगले दिन समाचार पत्र में आई तो, वह रपट कैसी होगी?

बच्चों को वैयक्तिक रूप से लिखने का अवसर दें।

दो-तीन बच्चों से प्रस्तुत करवाएँ।

रपट की विशेषताओं पर चर्चा चलाएँ।

- रपट में क्या-क्या होना चाहिए?
- शीर्षक की क्या खैसियत होनी चाहिए?
- घटना की प्रस्तुति कैसे हो?
- अपनी रपट को वस्तुनिष्ठ कैसे बनाए?
- रपट में अपने दृष्टिकोण का प्रतिफलन कैसे किया जाए?

चर्चा

चर्चा के बाद दल में अपनी रपट के परिमार्जन का मौका दें।

दलों की प्रस्तुति।

अपनी प्रस्तुति।

संशोधन।

आप केलिए

सूचनाओं विचारों और भावनाओं का लिखित, मौखिक या दृश्य श्राव्य माध्यमों के ज़रिए सफलता पूर्वक आदान प्रदान करना संचार है। इस प्रक्रिया को संपन्न करने के तरीके तथा उपकरण संचार के माध्यम कहलाते हैं। जन संचार के मुख्य माध्यम है अख़बार, रेडियो, टीवी, इन्टरनेट आदि। अख़बार में रपट तैयार करते समय कुछ बातों पर ध्यान देना ज़रूरी है।

रपट वस्तुनिष्ठ होना चाहिए। प्रत्येक घटना से संबंधित 'क्या, कब, कौन, कहाँ, कैसे, क्यों आदि प्रश्नों के जवाब देने में रपट समर्थ होनी चाहिए। रपट की शुरूआत पढ़नेवाले के मन में अंत तक पढ़ने की प्रेरणा देनेवाली हो। रपट का शीर्षक पाठकों की जिज्ञासा को बढ़ाने वाला हो। उसकी भाषा सरल, रोचक और प्रभावी हो। उसके वाक्य छोटे व सहज हो। रपट में चर्चित घटना के बारे में लेखक या प्रस्तुतकर्ता का दृष्टिकोण भी जोड़ा जाए जबकि समाचार घटना का यथा-तथ्य प्रस्तुति है।

गतिविधि-4

लग सहायक क्रिया का परिचय

बक्से में दिए लग-युक्त वाक्यों को पढ़ने का मौका दें।

रेखांकित शब्दों पर ध्यान देकर पढ़ने का निर्देश दें।

पूछें,

- रेखांकित शब्दरूपों में समानता कहाँ है?

- यहाँ 'लग' सहायक क्रिया के प्रयोग से वाक्य के अर्थ पर क्या प्रभाव पड़ा है?
- इन वाक्यों की अन्य विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

इस प्रकार के अन्य वाक्य चुनकर लिखें।

गतिविधि-5

- सत्यजीत राय और चार्ली चैप्लिन की फिल्म फेस्टिवल का आयोजन करें।
- 'सिनेमा मानव जीवन की यथार्थ अभिव्यक्ति है।'

  सत्यजीत राय और चार्ली चैप्लिन दोनों की फिल्मों को सामने रखकर टिप्पणी तैयार करें।

गतिविधि-6

नीली आसमानी छतरी

- गीत का वाचन
- गीत के लिए ताल ढूढना।
- प्रत्येक दल को दृश्याभास करने का मौका दें।

2005 में निकली बच्चों की खूबसूरत फिल्म है ब्लू अंब्रेल्ला। इसका निदेशक विशाल भरद्वाज था। उन्होंने ही इसका संगीत किया था। उन्होंने रोनी स्क्रीवला के साथ चित्र का निर्माण किया। अभिषेक चौबे, मिंटी आदि के साथ उन्होंने इसकी कहानी लिखी। विख्यात कहानीकार रस्किन बोंड की 'ब्लू अंब्रेल्ला' कहानी से प्रेरित है। 'नीली आसमानी छतरी' गीत का आलाप उपग्ना पांडे ने किया।